प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

सांध्यकालीन समाचार पत्र

# स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 10 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 267, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-



इनसाइड आईजीआरएस रैंकिंग में फेल कानपुर का जिला प्रशासन... » Pg03

यूपी में 96 लाख एमएसएमई यूनिट फिर... » Pg12


## तीसरी पुण्यतिथि पर सैफई में उमड़ा यादव परिवार

# ऐलान: नेताजी के नाम पर सैफई में बनेगा स्मारक

## सपा चीफ ने दी श्रद्धांजलि, धरती पुत्र ने तीन बार संभाली प्रदेश की कमान, दाव-पेंच से दिग्गजों को किया था चित

### नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

इटावा। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की आज शुक्रवार (10 अक्तूबर) को तीसरी पुण्यतिथि है। इस दिन दिवंगत नेता मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि देने के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत पूरा यादव परिवार सैफई पहुंचा हुआ है। सपा चीफ अखिलेश यादव ने अपने पिता मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ सपा सांसद और उनके चाचा रामगोपाल यादव भी मौजूद रहे।

मंच पर अखिलेश यादव के साथ उनका समस्त परिवार मौजूद था, जिनमें उनकी पत्नी डिंपल यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, अभयराम सिंह यादव, सांसद धर्मेंद्र यादव, पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव, सांसद अक्षय यादव, सांसद आदित्य यादव, अनुराग यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक (अंशुल) यादव, आर्यन यादव और कार्तिकेय यादव सहित परिवार के अन्य सदस्य दिखे। साथ ही समाधि स्थन पर सपा के कार्यकर्ता, नेता और भारी संख्या में समर्थक भी मौजूद रहे।

सपा सांसद राम गोपाल यादव ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर कहा आज नेताजी की पुण्यतिथि पर हम सभी लोग यहां पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए हैं और यह संकल्प लेने के लिए एकत्रित हुए हैं कि उनके द्वारा समाजवादी पार्टी को जो रास्ता दिखाया गया, हम उसी पर आगे बढ़ेंगे। यही उन्हें सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी क्योंकि हिंदुस्तान के इतिहास में कभी जनता पर इतना अत्याचार नहीं हुआ जो आज हो रहा है। ऐसी घटिया शासन व्यवस्था कभी नहीं रही, किसी ने इसकी कल्पना नहीं की थी। 2027 में हम मौजूदा सरकार को उखाड़ फेकेंगे और 2029 में दिल्ली की सरकार भी चली जाएगी।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने समर्थकों को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाने के लिए बी आर अंबेडकर, कांशीराम, राम मनोहर लोहिया और अपने पिता मुलायम सिंह यादव सहित कई नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बी आर अंबेडकर, कांशीराम, राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण और उनके पिता मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं ने वह रास्ता दिखाया जिस पर चलकर समाजवादी पार्टी शोषितों और पिछड़ों के साथ न्याय करेगी।

इसके बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नेताजी सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते रहेंगे और अपने आदर्शों और विचारों के साथ जीवित रहेंगे। अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि जिस स्थान पर हम सब बैठे हैं, वहां जल्द ही नेताजी (मुलायम सिंह यादव) को समर्पित एक स्मारक बनाया जाएगा। समाजवादियों का यह स्मारक नेताजी को समर्पित है। यह स्मारक हम सभी को प्रेरणा देता रहेगा और इसके माध्यम से नेताजी अपने आदर्शों और विचारों के माध्यम से हमारे जीवन में जीवित रहेंगे।

सैफई में मुलायम की पुण्यतिथि पर सपा कार्यकर्ता पौधा लेकर भी पहुंचे और एक युवा कार्यकर्ता लखनऊ से सैफई तक साइकिल से भी पहुंचा। सैफई में मुलायम सिंह की तीसरी पुण्यतिथि पर सपा कार्यकर्ताओं की काफी भीड़ देखी गई। इसके साथ ही यूपी के कई जिलों में सपा कार्यालयों पर भी मुलायम सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई।

### जब पीएम बनते- बनते रह गए थे मुलायम सिंह यादव

साल 1996 में वह मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने गए। इस चुनाव में किसी को भी पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाया और फिर अस्तित्व में तीसरा मोर्चा आया। इस बार मुलायम सिंह किंगमेकर की भूमिका में थे, लेकिन वह प्रधानमंत्री नहीं बन पाए और देश के रक्षा मंत्री बने। यह सरकार भी गिर गई और फिर मुलायम सिंह यादव लखनऊ और दिल्ली की राजनीति ही करते रहे। वह तीसरी बार साल 2003 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। इस बार उनकी सरकार पूरे पांच साल तक चली।

समाजवाद की राजनीति करने वाले धरती पुत्र ने 10 अक्टूबर 2022 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उन्हें साल 2023 में भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया।

---

**बड़ी सफलता**

## एनकाउंटर में पैर पर मारी गोली, इलाज के लिए भेजा अस्पताल

# रायबरेली में दलित हत्या के मुख्य आरोपी को पुलिस ने किया लंगड़ा

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में चर्चित प्रकरण दलित हरिओम हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार देर रात हुई मुठभेड़ में पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक अग्रहरि को लंगड़ा कर गिरफ्तार कर लिया। एनकाउंटर के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे पुलिस ने पकड़कर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ में भर्ती कराया है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को देर रात सूचना मिली कि हरिओम हत्याकांड का फरार मुख्य आरोपी दीपक अग्रहरि गंगा कटरी क्षेत्र की ओर भाग रहा है। सूचना पर एसओजी टीम, डलमऊ थाना पुलिस और ऊंचाहार पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी कर दी। खुद को घिरा देखकर आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जिसमें दीपक अग्रहरि के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। मौके से एक पिस्टल, कारतूस और बाइक बरामद की गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, दीपक अग्रहरि हरिओम की हत्या का मुख्य साजिशकर्ता है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही थी।

एसपी ने बताया कि आरोपी पर पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसे उपचार के बाद जेल भेजा जाएगा। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या में और कौन-

कौन शामिल था तथा वारदात के पीछे की असल वजह क्या थी। पुलिस का कहना है कि फरार अन्य आरोपियों की तलाश में दबिशें दी जा रही हैं।

# सुरार भूमि घोटाले की जांच करेंगे नायब तहसीलदार

## स्वराज इंडिया की खबर का असर

» ग्राम समाज की भूमि पर भू-माफियाओं का कब्जा उजागर

» सुरार में ऊसर भूमि पर अवैध प्लाटिंग, भू-माफिया निशाने पर

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। सदर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुरार की ग्राम समाज भूमि पर कब्जे और अवैध प्लाटिंग का मामला अब प्रशासनिक जांच के घेरे में आ गया है। स्वराज इंडिया की लगातार रिपोर्टिंग के बाद यह प्रकरण जिलाधिकारी कानपुर के संज्ञान में पहुंच गया है। डीएम और एसडीएम सदर के बीच हुई बातचीत के बाद यह तय किया गया है कि पूरे प्रकरण की जांच नायब तहसीलदार स्तर से कराई जा रही है।**

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी

### भू-माफियाओं और लेखपाल की सांठगांठ उजागर तो पत्रकार को मिली धमकी

सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही भू-माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई देखने को मिलेगी।ग्राम प्रधान पंकज यादव द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में बताया गया था कि ग्राम समाज की आराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 की ऊसर भूमि पर भू-माफिया वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव ने कब्जा कर अवैध प्लाटिंग शुरू कर दी है। आरोप है कि इस पूरे खेल में क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार की भी सीधी मिलीभगत है, जिन पर भू-माफियाओं से भारी रकम लेने का आरोप है।सूत्रों के अनुसार, बरसात के बाद ऊसर भूमि को समतल करने और अवैध प्लाटिंग के लिए मिट्टी डालने का ठेका खनन माफियाओं को दिया गया था। यह पूरा कार्य कुछ प्रभावशाली अधिकारियों की जानकारी में किया जा रहा था। अब प्रशासनिक स्तर पर इस पूरे अवैध नेटवर्क की तह तक पहुँचने की तैयारी चल रही है।

### जिला प्रशासन का रुख साफ है

ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा और सरकारी जमीन से खेल करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।डीएम कार्यालय ने संकेत दिए हैं कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस बीच, दैनिक स्वराज इंडिया की टीम, जिसने इस पूरे मामले को प्रमुखता से उजागर किया था, को लेकर भू-माफियाओं द्वारा धमकी देने की जानकारी भी सामने आई है। इसके बावजूद अखबार ने सच्चाई सामने लाने का कार्य जारी रखा। अब राजस्व विभाग के आला अधिकारी स्वयं मामले की गहराई से जांच में जुट गए हैं।

स्वराज इंडिया

### अवैध प्लाटिंग के खिलाफ जल्द कार्रवाई, जांच कमेटी होगी गठित

# 70 रुपये के चक्कर में अटका 70 करोड़ का काम

» दीपावली में भी लांच नहीं हो पाएगी न्यू कानपुर सिटी योजना

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में बहुप्रतीक्षित न्यू कानपुर सिटी योजना में सीवेज पाइपलाइन और ड्रेनेज कार्य के लिए 70 करोड़ की फाइल मात्र 70 रुपये का अंतर आने की वजह से एक महीने से अटकी है। इस वजह से अभी तक इस कार्य के टेंडर जारी नहीं हो पाए हैं। अधिकारियों की लापरवाही के कारण दीपावली में भी यह योजना लांच नहीं हो पाएगी जबकि इसे बीते 15 अगस्त को लॉन्च करने का दावा किया गया था।

केडीए ने 29 साल पहले कल्याणपुर-सिंहपुर रोड और वहां से मैनावती मार्ग के पास 153 हेक्टेयर जमीन पर न्यू कानपुर सिटी योजना विकसित करने की योजना बनाई। विभिन्न वजहों से 27 साल योजना अटकी रही। अब योजना को विकसित करने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। हालांकि अब विकास प्राधिकरण के अधिकारी ही योजना को पलीता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।दरअसल योजना स्थल में बरसाती पानी की निकासी के लिए सीवर लाइन बिछाने, नाले-चैंबरों आदि का निर्माण होना है। इसके टेंडर के लिए एक महीने पहले केडीए जोन-1 के प्रभारी अभियंता अमनदीप सिंह ने एस्टीमेट बनाकर फाइल वित्त विभाग भेजी थी। कार्य की अनुमानित लागत 70 करोड़ रुपये है। वित विभाग में एक महीने फाइल रखी रही। टेंडर के लिए सहमति देने के बजाय चार दिन पहले फाइल अभियंत्रण विभाग को लौटा दी गई।

बताया गया कि अभियंत्रण विभाग ने इस कार्य जो अनुमानित लागत लिखकर भेजी है, उसके जोड़ में 70 रुपये का अंतर आ रहा है। इसलिए फाइल सही कर भेजी जाए। प्रभारी अभियंता ने बताया कि उन्होंने फाइल में हर प्रस्तावित कार्य की अनुमानित लागत राउंड फिगर में जोड़ी थी। हालांकि कुल योग उतना ही आ रहा है, जितना वित विभाग बता रहा है।वित विभाग ने उसमें एक-एक पैसे को भी जोड़ा है। अभियंत्रण और वित विभाग का कुल योग समान है। अब दोबारा धनराशि जोड़कर फाइल भेजी जा रही है। केडीए सचिव अभय कुमार पांडेय ने अभियंत्रण विभाग को जल्द से जल्द फाइल दुरुस्त कर वित विभाग भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि न्यू कानपुर सिटी में सीवेज, ड्रेनेज कार्य के टेंडर जल्द जारी किए जाएंगे।

# आईजीआरएस रैंकिंग में फेल कानपुर का जिला प्रशासन

## डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के कई प्रयास के बाद आई रैंक 73वीं

» तहसील में शिकायत में घाटमपुर अव्वल

» सदर तहसील फिर सबसे नीचे खराब विभागों को नोटिस जारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रशासन की लाख नहीं करोडो कोशिशों पर इस दफा फिर अफसरों की बैटिंग खराब रही। पिछला रिकार्ड तोडते हुए जिला प्रशासन ने आइजीआरएस रैंकिंग में फिर इतिहास रचा है। सितंबर में प्रदेश के 75 जिलों में आईजीआरएस की रैंक 73वीं आई है। घाटमपुर तहसील ने जनसुनवाई व समस्याओं के समाधान में जारी रैंक में कानपुर नगर में प्रथम रैंक प्राप्त किया है। प्रदेश की 350 से अधिक तहसीलों में 71 वीं रैंक प्राप्त हुई है।

140 में 110 अंक और 78.57 प्रतिशत मिले हैं। पिछली दफा से अंक और प्रतिशत में बढोत्तरी हुई लेकिन रैंकिंग काफी गिर गई। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रैंक काफी खराब है, ठीक करने के लिए प्रयास करेंगे। वहीं एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि अंक और प्रतिशत में इजाफा हुआ।

अत्याधिक खराब विभागों को नोटिस जारी की जा रही है।जुलाई में कानपुर 58 रैंक, 140 में 110 अंक और 78.57 प्रतिशत मिले थे। अगस्त में 75 जिलों में कानपुर 70वीं रैंक पर। 140 में 109 अंक और 77.86 प्रतिशत मिले। IGRS रैंकिंग में इस बार भी सिर्फ फीडबैक और शिकायतकर्ता से अधिकारी द्वारा संपर्क न करने के कारण नंबर कटे।

### घाटमपुर तहसील ने बचाई अपनी नाक

घाटमपुर तहसील ने जनसुनवाई व समस्याओं के समाधान में जारी रैंक में कानपुर नगर में प्रथम रैंक प्राप्त किया है। प्रदेश की 350 से अधिक तहसीलों में 71 वीं रैंक प्राप्त हुई है। 350 तहसीलों में Ghatampur को 100 में 93 नंबर मिले हैं और 71 रैंक मिली है। वहीं दूसरे नंबर पर बिल्हौर तहसील 79 अंक और 208 रैंक है। तीसरे नंबर पर नरवल तहसील को 73 अंक और 258 रैंक मिली है। वहीं सबसे फिसड्डी सदर तहसील को 67 अंक के साथ 299 रैंक मिली है। वहीं तहसील के अफसरों का कहना है कि शिकायतों के संतुष्टता के साथ निस्तारण को लगातार प्रयास किया जा रहा है।

# नील मिलाकर तैयार किया जा रहा इलायची दाना और गट्टा

## मिलावट की आशंका पर 32 लाख का माल सीज

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।अगर आप चमकदार शक्कर या उससे बनने वाले प्रोडेक्ट को लेकर आकर्षित हैं तो थोडा सावधान हो जाएं। एक विज्ञापन है हर पीली चमकने वाली सोना नहीं होती है। वैसे ही अधिक चमकदार शक्कर में भी कुछ मिलावट हो सकती है। कानपुर के खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापेमारी कर ऐसी शक्कर पकडी जिसे नील से सफेद किया जाता है। शहर में एक बार फिर से मिलावट के बड़े गोरखधंधे का पर्दाफॉश हुआ है।

खाद्य विभाग की टीम ने नील मिलाकर तैयार किए जा रहे इलायची दाना और गट्टे को सीज किया गया। मिलावट की आशंका पर 32 लाख का माल सीज किया गया है। 20 सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग मिलावटखोरों पर शिकंजा कसेगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने गुरुवार को छापेमारी की गई। कैंट सीताराम एंड संस, ओम कुमार एंड संस और शबनम ट्रेडिंग में जांच पड़ताल की गई। वहां पर नील से साफ करके इलायची दाना व गट्टा तैयार किया जा रहा था। 75 हजार का माल सीज किया गया है। फजलगंज स्थित गुरुनानक आयल ट्रेडर्स में मिलावट आशंका की पर 19944 लीटर करीब 30.22 लाख रुपये का तेल सीज किया गया। बिना साफ सफाई के नौबस्ता स्थित कृष्णा ट्रेडिंग कंपनी में बनाई जा रही 54 हजार रुपये की 1350 किलो दाल को भी सीज किया गया है। टीम ने जांच पड़ताल करके बेसन, इलायची दाना, बादाम, पिस्ता, खोवा, दाल, सरसों का तेल, रिफाइंड सोयाबीन आयल और पामोलिन आयल का सैंपल लिया गया है। सभी 20 सैंपल को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कारवाई की जाएगी।

# गोदाम में पटाखे रखने व बिक्री करने में 26 लोग हिरासत में

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पुलिस ने शहर में अभियान चलाकर 20 घंटे के अंदर पांच करोड़ रुपये से अधिक कीमत के 100 क्विंटल से ज्यादा पटाखे बरामद किए हैं। मेस्टन रोड, फजलगंज, यशोदानगर, गोविंदनगर से पटाखे पकड़े हैं। पुलिस ने 26 लोगों को हिरासत में लिया है। पटाखा मिलने वाली 18 दुकानें और तीन गोदाम सील कर दिए गए हैं।बिसातखाना में विस्फोट के बाद पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने सर्च एंड सीज अभियान चलाने का निर्देश जारी किया। यह निर्देश कमिश्नरी के सभी थाना प्रभारियों के लिए था। देर रात मेस्टन रोड के बिसातखाना में दुकानों में छापा मारा गया। गुरुवार को फजलगंज, यशोदानगर और गोविंदनगर क्षेत्र में दुकानों और गोदाम में जांच कराई गई। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने बताया कि चारों जगह 100 क्विंटल से अधिक के पटाखे बरामद हुए हैं। कुछ जगह बारूद भी मिला है। दुकान और गोदाम में पटाखों का संचालन करने में 26 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें 12 को बुधवार देर रात उठाया गया था। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मूलगंज की घटना कहीं और न हो उसके लिए शुक्रवार से पुलिस बाजारों में नजर आएगी। कानपुर में पटाखों की बिक्री केवल निर्धारित जगह पर होगी। किसी अन्य जगह पटाखे बिकते मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।मूलगंज और अयोध्या में विस्फोट की घटना पर गुरुवार देर शाम मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर निर्देश जारी किए।

# बिल्हौर: समाजवादियों ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

## समानता और सामाजिक न्याय की राह पर चलने का लिया संकल्प

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)! बहुजन समाज के महान नेता कांशीराम की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को ककवन विकास खंड के नया निवादा गांव में समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।**

कार्यक्रम की शुरुआत कांशीराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने कहा कि

**» विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व मे आयोजित किया गया कार्यक्रम।**

कांशीराम ने वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय और समानता के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी कांशीराम और डॉ. भीमराव आंबेडकर के सिद्धांतों पर चलते हुए सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान की दिशा में काम कर रही है। आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने जय समाजवाद और कांशीराम अमर रहें जैसे नारे लगाए।

सभी ने समानता और सामाजिक भाईचारे को बनाए रखने की शपथ ली। इस मौके पर राम शरण गौतम, सुनील यादव, सुमित, अनुराग सिसोदिया, सदाब खान, दिनेश गौतम, विनेश गौतम, शियाराम गौतम, जयवीर यादव फौजी, जय सिंह वकील, अनुराग सविता और श्रीकृष्ण यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### मायावती ने जताया आभार, विधानसभा अध्यक्ष बोले- बीएसपी और भाजपा एक हैं

**बसपा** सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि पर आयोजित रैली में उत्तर प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा स्मारकों की देखरेख के लिए आभार व्यक्त किया। और सपा को जमकर घेरा भी। जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस पर पत्रकारों से बातचीत में विनय यादव ने कहा कि भाजपा और बीएसपी एक ही हैं। जनता स्वयं सब जानती है, इसे बताने की जरूरत नहीं है।

# बाजार गई किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में हुई लापता

## परिवार ने युवक पर लगाया बहला-फुसलाने का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से 17 वर्षीय किशोरी के अचानक गायब होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। किशोरी बुधवार दोपहर बाजार जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों को काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी।**

पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी बेटी का कुछ समय से एक युवक से संपर्क था, जिसने अपनी पहचान छिपाई हुई थी।

आशंका जताई गई है कि वही युवक ने किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। परिवार का कहना है कि उन्होंने रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों के यहां भी तलाश की, मगर कोई सुराग नहीं मिला। मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई।

थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और पुलिस टीमों को तलाश में लगाया गया है।

# खाद वितरण में धांधली से किसानों का गुस्सा फूटा, सड़कों पर उतरे

## रहीमपुर-विषधन समिति के बाहर हंगामा, सचिव पर फायदा पहुंचाने का आरोप

**» नायब तहसीलदार सीपी राजपूत ने जांच के बाद दिया कार्रवाई का भरोसा।**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर के ककवन क्षेत्र की रहीमपुर विषधन सहकारी समिति में गुरुवार को खाद वितरण में मनमानी के आरोपों को लेकर किसानों का सब्र जवाब दे गया। गुस्साए किसानों ने समिति के बाहर ककवन रसूलाबाद मार्ग पर जाम लगाकर हंगामा किया। किसानों ने आरोप लगाया कि सचिव द्वारा अपने चहेतों को तय सीमा से ज्यादा खाद की बोरी दी जा रही है, जबकि असली जरूरतमंदों को खाली हाथ लौटाया जा रहा है। हंगामे की सूचना पर नायब तहसीलदार चंद्रप्रकाश राजपूत मौके पर पहुंच गए और प्रदर्शन कर रहे किसानों से बात कर उन्हें शांत कराया। और जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिलाया।**

वहीं कुछ देर बाद मौके पर भाजपा नेता कुश अग्निहोत्री भी पहुंच गए। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व जानबूझकर सरकार की छवि खराब करने के लिए कालाबाज़ारी कर रहे हैं। मुनौव्वारपुर, मौजमपुर, मेदों, दूलू, हरीपुरवा,

रहीमपुर और विषधन गांवों के किसानों ने बताया कि समितियों पर खाद की भारी किल्लत है। मजबूरी में उन्हें निजी दुकानों से ऊंचे दामों पर खाद खरीदनी पड़ रही है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सचिव के खिलाफ लगाए गए कई आरोप सही पाए गए हैं। नायब तहसीलदार ने बताया कि विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर एसडीएम बिल्हौर को भेजी जा रही है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

# सम्पादकीय

## ब्रिटेन उदार वीज़ा नीति का लाभ भी दे

ऐसे वक्त में जब अमेरिका ने निरंकुश टैरिफ थोपने व भारत के हितों पर कुठाराघात की नीति अख्तियार की हुई है, ब्रिटेन के साथ रक्षा व कारोबारी रिश्तों में नई शुरुआत उम्मीद जगाने वाली है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते का सिरे चढ़ना दोनों पक्षों के हित में बताया जा रहा है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा को नई दिल्ली और लंदन के संबंधों में एक नये सिरे से बदलाव का प्रतीक बताया जा रहा है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के प्रतीकात्मक और व्यावहारिकता की दृष्टि से गहरे निहितार्थ हैं। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण समझौते इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हैं। जिसमें 468 मिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा, मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तथा भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमत होना शामिल है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि इस रिश्ते में 'एक नई ऊर्जा है', जो व्यापार, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का समन्वय चाहती है। हालांकि, मुक्त व्यापार समझौते का मूल्यांकन, इसके प्रतीकात्मक मूल्य के बजाय इसके वास्तविक आर्थिक प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए। मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन के बाद भारत के लिये ब्रिटिश बाजार तक भारतीय कपड़ों, दवा और सेवाओं, विशेष रूप से आईटी और फिनटेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को लेकर कुछ चिंताएं भी मौजूद हैं। मसलन छोटे और मध्यम उद्यमों के सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर होने या नियामक विषमताओं का सामना करने की आशंका बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं है कि एफटीए के फलस्वरूप, ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिये, भारत एक अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच विकास का एक लाभप्रद अवसर और एक स्थिर अर्थव्यवस्था वाला मजबूत साझेदार का मिलना है। लेकिन इसके बावजूद मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन में भारतीय हितों की रक्षा के लिये सतर्क पहल की जरूरत भी महसूस की जा रही है।वैसे यह भी तथ्य है कि अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में पारस्परिक निवेश की कसौटी पर ही दोनों देशों के रिश्तों की असली परीक्षा होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय पेशेवरों या छात्रों के लिए वीजा मानदंडों में ढील देने से स्टारमर का स्पष्ट इनकार करना इस बहुप्रचारित साझेदारी की सार्थकता को लेकर सवाल पैदा कर सकता है। यह विडंबना ही है कि ब्रिटेन कुछ मुद्दों को लेकर दोहरा मापदंड अपना रहा है।

इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि यदि प्रतिभाओं का आदान-प्रदान एकतरफा ही रहेगा, तो पारस्परिक लाभ पर साझेदारी फल-फूल नहीं सकती। निर्विवाद रूप से यह तथ्य तार्किक है कि मुक्त व्यापार समझौते की राह अभी भी बाधाओं से पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पायी है। उल्लेखनीय है कि टैरिफ, बौद्धिक संपदा और श्रम गतिशीलता के मुद्दे पर मतभेद अभी भी बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर मूल्य आधारित कूटनीति पर भारतीय प्राथमिकता को लेकर दोनों देशों में मतभेद सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि दोनों पक्षों को पुरानी कसक से प्रेरित कूटनीति से आगे बढ़ने की जरूरत होगी।

## पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के तय हों मानदंड

ज्योति मल्होत्रा

**नदियों की चिंता है तो नदी खनन के पर्यावरणीय प्रभावों की भी समझ बढ़ानी होगी। आज उन मानदंडों को लेकर , सार्वजनिक बहस भी होनी चाहिये, जो नदियों में खनन की अनुमति देने के पहले के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन करने के लिए सभी राज्यों में जरूरी होने चाहिए।राज्यों के उच्च न्यायालयों व देश के उच्चतम न्यायालय में नदियों में अवैध खनन के मामले दशकों से ले जाये जाते रहे हैं जहां इस बारे राज्य सरकारों को कई बार तीखा भी सुनना पड़ता है। इसके बावजूद स्थिति में बदलाव नहीं। खनन माफिया की शासन पर पकड़ बनी रहती है। नागरिकों की पीड़ा व विरोध उपेक्षित रहते हैं। जिसका प्रमुख कारण सरकारों द्वारा नदी खनन को केवल राजस्व का प्रमुख स्रोत मान लेना है। जबकि, यह पर्यावरण क्षेत्र का विषय भी है।**

इसी साल 27 मार्च को लोकसभा में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने राज्य में जारी व्यापक अवैध नदी खनन और उससे लोगों व पारिस्थितिकी पर कुप्रभाव का मुद्दा उठाया था। जिस पर केन्द्रीय मंत्री का जवाब भी मिला था। उधर इसी संदर्भ में राज्य सरकार का जवाब यह कहकर दिया जा रहा है कि अवैध खनन होता तो खनन से राज्य का राजस्व इतना कैसे बढ़ता। यह दलील तार्किक नहीं लगती। मसलन शराब बिक्री से राजस्व बढ़ रहा है तो क्या राज्य में अवैध शराब की तस्करी नहीं हो रही। असल में राज्य के कई क्षेत्रों में अवैध खनन होता है। पूरे भारत की ही तरह उत्तराखंड में भी नदियों से बेतहाशा अवैध खनन हो रहा है।जहां तक नदी खनन के पारिस्थितिकीय कुप्रभावों की बात है तो वह अवैध खनन से ही नहीं बल्कि वैध खनन से भी हो सकता है। ऐसे में उन मानदंडों को लेकर सार्वजनिक बहस होनी जरूरी है, जो नदियों में खनन की अनुमति देने के पहले के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन करने के लिए सभी राज्यों में जरूरी होने चाहिए। यह भेद भी समझें कि खनन के पहले के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के मानक उनसे भिन्न होंगे, जो खनन उपरांत पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के लिए हों।

आमतौर पर नदियों में जितने खनन की अनुमति ली जाती है , उससे कई गुणा ज्यादा का खनन होता है। ऐसे में बाद के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन से ही पता चल पायेगा कि जितने खनिज , जिस जगह से, जितनी लम्बाई चौड़ाई व गहराई से व जिन तरीकों -मशीनों से निकाले जाने की शर्तों के साथ अनुमति दी गई थी , उनका पालन हुआ या नहीं। ऐसा न होने से पर्यावरण क्षति की पूर्ति कैसे होगी यह भी विचारणीय है।वैज्ञानिक जब नदियों के खनन के पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करते हैं , तो वे यह भी देखते हैं , कि नदियों में बहकर जो मिट्टी , बजरी , पत्थर आ रहा है उसकी रासायनिक खनिज संरचना क्या है। नदी में रहते हुये उस खनिज से वनस्पति, जल व जल जीवों पर क्या असर पड़ता है। इनकी निकासी से क्या असर पड़ेगा। इस प्रभाव आकलन में भूजल स्तर पर होने वाला अन्तर , किनारों का कटाव , नये भूस्खलन , भूधंसाव , भूक्षरण के संभावित क्षेत्रों का भी उल्लेख हो। राज्यों में पार्कों व सेंक्चुरियों के पास की नदियों के खनन में मशीनों की आवाज और रोशनी के व तय दूरी बनाये रखने के दिशा निर्देशों की कसौटी पर भी नदी खनन पारिस्थितिकीय प्रभाव आकलन को कसा जायेगा।वैज्ञानिक खनिज ढुलाई के रास्तों में होने वाले और भण्डारण वाले स्थानों में होने वाले पर्यवरणीय प्रभाव आकलन को भी करते हैं। इसी कारण वे ढुलाई व भण्डारण की शर्तें भी सुझाते हैं।

नदियों में खनन से उनके पार्श्व तल के भूजल स्तर व प्रारूप पर भी असर पड़ता है। किनारे के उन सतही जलाशय क्षेत्रों पर भी असर पड़ जाता है , जहां मछलियां या अन्य जलचर अण्डे - बच्चे देने आते हैं। या वन्यजीव पानी या भोजन की तलाश में आते हैं। प्रवासी पक्षियों के प्रवास पर भी असर पड़ता है। वानस्पतिक जैव विविधता पर भी असर पड़ सकता है। नदियों के खुदान का उनके जल की रासायनिक गुणवत्ता पर भी असर पड़ सकता है।निस्संदेह पर्यावरणीय पहलुओं के अलावा नदियों के खनन के आर्थिक, सामाजिक व संरचनात्मक विकास के पक्ष को भी नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता है।

रोजगार , निर्माण सामग्री की उपलब्धता व आपदा कार्यों के पुनर्निमाण में दिक्कत व अंत:राज्य निर्माण सामग्री की तस्करी जैसी समस्याएं भी नदी खनन पर रोक से पैदा हो सकती हैं। निर्देश रहते है कि पुलों के पास आवासीय बस्तियों के पास रेत खनन न हो , किन्तु खनन वहां भी होता है। जबकि बिना मिलीभगत अवैध खनन संभव नहीं।

नदियों में रेत खनन के मामले को समग्रता में समझने के लिए एनजीटी का एक निर्देश काफी मददगार है।

अप्रैल 2019 में आंध्र प्रदेश सरकार पर अवैध रेत खनन रोकने में असमर्थ रहने पर कुछ निर्देशों के साथ 100 करोड़ रुपये अन्तरिम दण्ड लगाया गया था। मुख्य सचिव को अनियमित रेत खनन पर तुरंत रोक लगाने के आदेशों के साथ साथ चेताया गया था कि प्राकृतिक संसाधनों को पूर्ण संरक्षण प्रदान करना राज्य की जिम्मेदारी है। बेंच का मानना था कि भले ही राज्य सरकार लोगों को निशुल्क रेत देने की कल्याणकारी नीति की बात कर रही हो किन्तु इससे पर्यावरणीय प्रभावों की अनदेखी कर अनियमित रेत खनन का न्यायिक औचित्य सिद्ध नहीं होता है।

# भारतीय विदेश नीति के 'संतुलन' की परीक्षा

### बदलते समीकरण

ज्वाला सिंह दास

**अमेरिका, रूस, चीन और पाकिस्तान के बीच बदलते समीकरणों के दौर में भारत की विदेश नीति नए संतुलन की परीक्षा से गुजर रही है, जहां आने वाले वर्षों में निर्णायक मोड़ संभव है। इस साल पहले टैरिफ और फिर 'ऑपरेशन...अमेरिका, रूस, चीन और पाकिस्तान के बीच बदलते समीकरणों के दौर में भारत की विदेश नीति नए संतुलन की परीक्षा से गुजर रही है, जहां आने वाले वर्षों में निर्णायक मोड़ संभव है।इस साल पहले टैरिफ और फिर 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर अमेरिकी रुख में आए बदलाव पर भारत की ओर से कोई तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई, पर देश में आक्रोश की लहर थी।**

शुरू में समझ नहीं आता था, पर अब धीरे-धीरे लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच, पिछले दो दशक से चली आ रही सौहार्द-नीति में कोई बड़ा मोड़ आने वाला है। कुछ वर्षों से यह सवाल किया जा रहा है कि भारत एक तरफ रूस और चीन और दूसरी तरफ अमेरिका के बीच अपनी विदेश-नीति को किस तरह संतुलित करेगा? इसे स्पष्ट करने की घड़ी अब आ रही है।भारत ने तालिबान, पाकिस्तान, चीन और रूस के साथ मिलकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अफ़ग़ानिस्तान स्थित बगराम एयरबेस पर कब्ज़ा करने के प्रयास का विरोध किया है। यह अप्रत्याशित घटना तालिबान के विदेशमंत्री आमिर ख़ान मुतक़ी की भारत-यात्रा से कुछ दिन पहले हुई है। अफगानिस्तान पर मॉस्को प्रारूप परामर्श के प्रतिभागियों द्वारा मंगलवार को जारी संयुक्त बयान में बगराम का नाम लिए बिना यह बात कही गई।अफ़ग़ानिस्तान पर मॉस्को प्रारूप परामर्श की सातवीं बैठक मॉस्को में अफ़ग़ानिस्तान, भारत, ईरान, क़ज़ाक़िस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर आयोजित की गई थी। बेलारूस का एक प्रतिनिधिमंडल भी अतिथि के रूप में बैठक में शामिल हुआ। इस बैठक में 'पहली बार विदेशमंत्री अमीर खान मुत्तकी के नेतृत्व में अफगान प्रतनिधिमंडल ने भी सदस्य के रूप में भाग लिया।इसके पहले ट्रंप ने कहा था कि तालिबान, देश के बगराम एयर बेस को वाशिंगटन को सौंप दें। सच यह है कि ट्रंप ने

ही पांच साल पहले तालिबान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसने काबुल से अमेरिका की वापसी का रास्ता साफ किया था। पिछली 18 सितंबर को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा, 'हमने इसे तालिबान को मुफ्त में दे दिया। अब हमें वह अड्डा वापस चाहिए।'बहरहाल, तालिबान के विदेशमंत्री की मेज़बानी की तैयारी कर रहे भारत ने ट्रंप की योजना का विरोध करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हालांकि हमने अभी तक तालिबान शासित अफ़ग़ानिस्तान को आधिकारिक मान्यता नहीं दी है, पर धीरे-धीरे संबंध स्थापित कर लिए हैं। संयुक्त वक्तव्य में एक और महत्वपूर्ण बात कही गई है, 'क्षेत्रीय संपर्क प्रणाली में अफगानिस्तान के सक्रिय एकीकरण का हम समर्थन करते हैं।' भारत के नज़रिए से अमेरिका के लिए यह एक संदेश है, जिसने ईरान में चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंधों में छूट हटा ली है, जिसका इस्तेमाल भारत के अफगानिस्तान से संपर्क के लिए किया जाता रहा है।इस घटनाक्रम के समांतर कुछ और बातों पर गौर करें। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यक्तिगत रूप से मधुर संबंध बना लिए हैं। हाल में उन्होंने ट्रंप के सामने अरब सागर में एक बंदरगाह बनाने और उसे चलाने का प्रस्ताव पेश किया है। यह बंदरगाह बलोचिस्तान के ग्वादर जिले के एक शहर पासनी में होगा, जो ईरान में भारत द्वारा विकसित किए जा रहे चाबहार बंदरगाह के एकदम करीब होगा।उनका कहना है कि हम अमेरिका को रेअर अर्थ जैसे खनिज दे सकते हैं, जिनकी अमेरिका को बड़ी ज़रूरत है। हाल में एक और खबर आई है। अमेरिका ने पाकिस्तान को दो नए हथियार बेचने की मंजूरी दे दी है। ये हैं नवीनतम एम-120सी-8 और डी-3 एमरैम मिसाइलें। पाकिस्तान ने 2019 में अभिनंदन वर्धमान के विमान पर एमरैम मिसाइल ही दागी थी।पता नहीं अमेरिका पासनी में बंदरगाह बनाएगा या नहीं, पर इन रिश्तों की जटिलता को समझने के लिए चीन को भी शामिल करना होगा। सवाल केवल भारत का ही नहीं है, बल्कि यह भी है कि पाकिस्तान अब अमेरिका और चीन के साथ रिश्तों को किस तरह निभाएगा? क्या वह चीन से दूर हो जाएगा? क्या अमेरिका भी चीन के साथ सामरिक रिश्तों में सुधार कर रहा है? अभी तक वह सीपैक और ग्वादर का विरोध करता था, क्या वह अब ग्वादर को स्वीकार कर लेगा?इसके साथ ही एक सैद्धांतिक प्रश्न भी सामने आया है। हाल में अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान को फिर से तराजू पर बराबरी से तोलना शुरू कर दिया है। एक दशक पहले उसने भारत और पाकिस्तान को 'डिहाइफ़नेट' करने की नीति बनाई थी, जिससे वह बराबरी खत्म हो गई थी, पर अब वह नीति खत्म हो रही है और पुरानी नीति वापस आ रही है। हाल में जेएनयू में हुए अरावली शिखर सम्मेलन में विदेशमंत्री एस जयशंकर ने ऐसे सवालों के कुछ दिलचस्प स्पष्टीकरण दिए हैं।जयशंकर ने 'डिहाइफ़नेशन' की अवधारणा पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा, हम पड़ोसियों की चुनौती से बच नहीं सकते, चाहे वास्तविकता कितनी भी अप्रिय क्यों न हो। सबसे अच्छा रास्ता यही है कि भारत शक्ति और क्षमता के मामले में दूसरे पक्ष से आगे निकले।

# साल भर से स्कूल नहीं आ रही टीचर, एसडीएम का पारा चढ़ा

**» विद्यालय में गंदगी देख जताई नाराजगी, बच्चों के साथ बैठकर पढ़ाई का स्तर परखा**

**» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो**

**कानपुर। उप जिलाधिकारी नर्वल विवेक मिश्रा ने गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय बौसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यार्थियों की पढ़ाई, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और विद्यालय परिसर की साफ-सफाई का जायज़ा लिया। निरीक्षण में पाया कि शिक्षिका श्वेता गुप्ता पिछले एक वर्ष से लगातार अनुपस्थित हैं।**

प्रधानाचार्य के अनुसार, इस संबंध में उच्चाधिकारियों को पहले ही सूचित किया गया है और शिक्षिका का वेतन रोका गया है। इस पर नाराजगी जताते हुए एसडीएम ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

**बच्चों से हिन्दी और अंग्रेज़ी के पाठ सुने**

मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता जांचते हुए एसडीएम विवेक मिश्रा ने बच्चों के साथ बैठकर हिन्दी और अंग्रेज़ी के पाठ सुने। कई विद्यार्थियों ने धाराप्रवाह उत्तर दिए, जिस पर उन्होंने उनकी सराहना की और मेहनत जारी रखने की प्रेरणा दी। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर की सफाई व्यवस्था अपर्याप्त पाई गई। इस पर एसडीएम ने सफाई कर्मी की जिम्मेदारी तय करने के आदेश दिए और कहा कि विद्यालय में स्वच्छ पेयजल, साफ शौचालय और बेहतर भोजन व्यवस्था निरंतर बनी रहनी चाहिए।

# कानपुर सेंट्रल पर आरपीएफ ने पकड़े 12 अवैध वेंडर

**» सभी वेंडरों के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया**

पकड़े गए वेंडर

**» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो**

कानपुर। आरपीएफ टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई में 12 वेंडरों को गिरफ्तार किया जो बिना अनुमति के रेलवे परिसर और ट्रेनों में खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री कर रहे थे। पहली कार्रवाई में उपनिरीक्षक असलम खान, टीम इंचार्ज बाबूलाल मीणा और हमराह स्टाफ ने ट्रेन नंबर 12948 के स्लीपर कोच में छापा मारा। यहां टीम ने 10 व्यक्तियों को पकड़ा जो बिना किसी अनुमति के खाद्य सामग्री बेच रहे थे। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे पहले साइड पेंट्रीकार लेकर चलते थे, लेकिन अब उनका परमिट समाप्त हो चुका है इसी वजह से अवैध रूप से बिक्री कर रहे थे। पकड़े गए सभी 10 वेंडरों के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। दूसरी कार्रवाई में उपनिरीक्षक हिमांशु शर्मा और टीम ने सीएनबी वेस्ट यार्ड में छापा मारा, जहां दो व्यक्ति ट्रेन के धीमे होने पर बाहर से आवाज लगाकर खानपान की वस्तुएं बेचते मिले। दोनों के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आरपीएफ ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और खान-पान में स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्टेशन व ट्रेनों में अवैध वेंडिंग पर लगातार कार्रवाई चलती रहेगी।

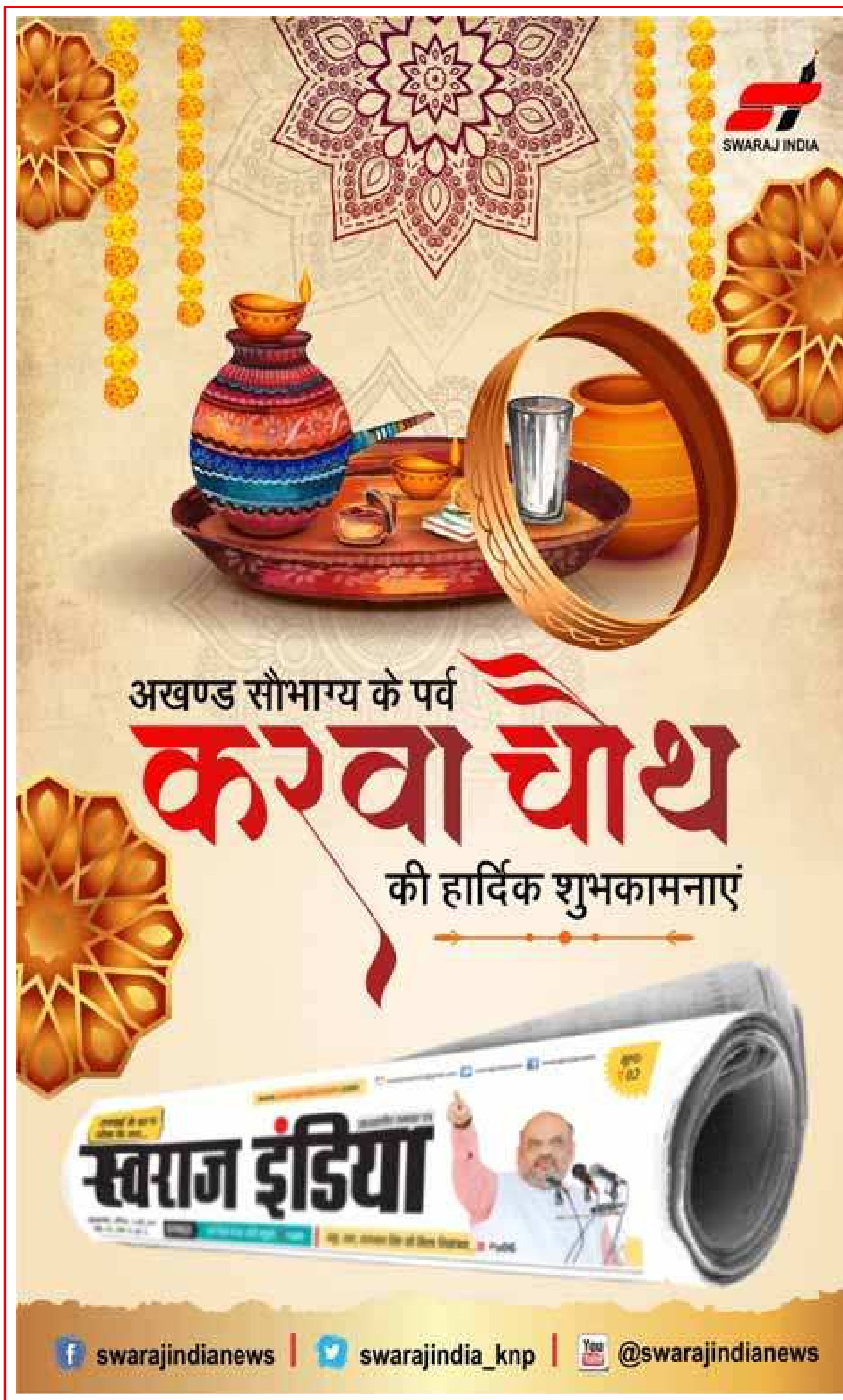

# मेस्टन रोड धमाका: कानपुर में अब तक दस टन पटाखों का जखीरा जब्त

» लगातार चल रही पुलिस की छापेमारी, 26 लोग हिरासत में लिए गए

» पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने कहा विस्फोट पटाखों के कारण हुआ

» मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर । कानपुर के मिश्री बाजार में पटाखों में हुए विस्फोट के बाद कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने पटाखा कारोबार के अवैध धंधे में लिप्त कारोबारियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। विस्फोट होने के कुछ घंटे के अंदर ही पुलिस ने मिश्री बाजार, बिसाती बाजार से भारी मात्रा में अवैध रूप से रखे गए पटाखों को बरामद किया, वहीं दूसरी ओर शहर के अन्य हिस्सों में हो रहे पटाखों के अवैध भंडारण और व्यापार पर अंकुश लगाते हुए लगभग 10 टन पटाखे जब्त कर कानूनी शिकंजा कसा है।**

इस कार्रवाई में कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के चार थाना क्षेत्र में पटाखों की बरामदगी हुई है और पुलिस ने 26 लोगों को हिरासत में लिया है। सबसे अधिक 18 लोग मूलगंज थाने से, गोविंद नगर और फजलगंज थाने से तीन-तीन और नौबस्ता थाना क्षेत्र से दो व्यक्ति हिरासत में लिए गए हैं। अब तक की कार्रवाई में फजलगंज थानाक्षेत्र से पुलिस को सबसे बड़ी बरामदगी पटाखों की हुई है। जहां पर एक गोदाम से लगभग 60 कुंतल पटाखे पुलिस ने बरामद किए हैं।कानपुर के पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने पत्रकारों से बात करते हुए कल बताया कि कानपुर में हुआ यह विस्फोट पटाखों के कारण हुआ था और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए शहर के सभी क्षेत्रों पर कड़ी नजर रखी जा रही है । जो लोग भी पटाखे के अवैध भंडारण में लिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बरामद पटाखे

### फजलगंज में मिला साठ कुंतल पटाखा जब्त

फजलगंज थानाक्षेत्र में पुलिस को पटाखा भंडारण की सूचना मिलने पर गुरुवार को की गई छापेमारी में करीब 60 कुंतल पटाखे बरामद किए गए, जिनकी कीमत लगभग एक करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

पूछताछ में सामने आया कि गोदाम गोविंद नगर निवासी हिमांशु का है, जिसे उसने तीन साल पहले राजा पासवान नाम के युवक को किराए पर दिया था। करीब 150 गत्ते पटाखे बरामद किए गए।

दोनों आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

### गोविंद नगर में 30 पेटी पटाखा जब्त

फैक्ट्री में भी मिले अवैध पटाखे

गोविंद नगर के दादानगर में गुरुवार देर शाम पुलिस ने एक फैक्ट्री में छापा मार कर भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद किए।इस गोदाम में मिले अवैध पटाखे भी गोविंद नगर के 11 ब्लॉक निवासी हिमांशु मरवाहा उर्फ काकू के ही निकले।

पुलिस ने बताया कि छापेमारी में करीब तीस गत्ते अवैध पटाखे बरामद कर जब्त किए गए हैं। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## यशोदा नगर में भाजपा नेता के गेस्ट हाउस से 5 कुंतल पटाखा बरामद

गुरुवार रात को नौबस्ता थाना क्षेत्र के यशोदा नगर स्थित मधुबन लाल से पुलिस को पटाखों का बड़ा जखीरा मिला पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया मौके पर एसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने पत्रकारों को जानकारी दी कि इस मधुबन लाल गेस्ट हाउस के दो कमरों में अवैध रूप से पटाखे का भंडारण किया गया था जिसे जब्त किया जा रहा है उन्होंने जानकारी दी की मौके पर पकड़े गए लोगों ने बताया कि गेस्ट हाउस महेंद्र सिंह यादव का है।

पुलिस द्वारा बुलाए जाने पर भी महेंद्र सिंह यादव मौके पर नहीं आए। सूत्रों का कहना है महेंद्र सिंह यादव की तलाश में रात के समय पुलिस जुगुइया गांव स्थित घर भी पहुंची लेकिन महेंद्र सिंह यादव दस्तयाब नहीं हुए। बताते चलें महेंद्र सिंह यादव वर्तमान समय में भाजपा नेता है और इससे पहले वह समाजवादी पार्टी में रहते हुए कानपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष भी रहा है।

**टेंट कारोबारी पिता बोला बेटा निर्दोष**

मधुवन लान में मौके से पकड़े गए हरिओम अवस्थी के पिता हिमांशु रंजन अवस्थी ने कहा कि उनका बेटा और दूसरा अन्य जो उनका मैनेजर है, वो निर्दोष हैं। उनका बरामद पटाखों से कुछ भी लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा दोनों गेस्ट हाउस में टेंट का काम करते थे और उसी के लिए वहां पर पहुंचे थे।

**दल बदल में माहिर वर्तमान भाजपाई महेंद्र सिंह यादव**

मधुवन लान के मालिक महेंद्र सिंह यादव की सबसे बड़ी विशेषता है कि नेताजी सत्ता बदलते ही अपना दल बदल लेते हैं।

महेंद्र सिंह यादव के विषय में लोगों का कहना है जब मुलायम सिंह की सरकार थी तो वह सपाई थे। वर्ष 2007 में बसपा की सरकार बनते ही वह बसपाई हो गए। 2012 में सपा की सरकार बनने के बाद महेंद्र सिंह यादव फिर से सपाई हो गए और सपा कानपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष भी बन गए। वर्ष 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद महेंद्र सिंह यादव ने शिवपाल सिंह यादव का दामन थाम कर उनकी प्रसपा में शामिल हो गए। वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव भी प्रसपा के टिकट पर लड़ा। इसके बाद महेंद्र सिंह यादव जुगत लगाकर 2022 में ऐन चुनाव के समय भाजपाई बन गए।

# शिक्षकों के नवाचारों को नई दिशा दे रहा आइडिया बैंक

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में नवाचार और रचनात्मकता को शिक्षा का मूल आधार बताया गया है। इसे आगे बढ़ाते हुए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने शिक्षकों के रचनात्मक प्रयासों को एक डिजिटल फलक उपलब्ध कराने के लिए आइडिया बैंक डिपाजिटरी उद्गम पोर्टल तैयार किया है। यह पोर्टल शिक्षकों के लिए ऐसा मंच बना है जहां वे अपने नवाचारों, प्रयोगों और सफल शैक्षणिक तरीकों को साझा कर रहे हैं, अन्य शिक्षक उनसे प्रेरणा ले रहे हैं। इसकी खासियत यह है कि इस पर पूरे प्रदेश से लेकर देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक शिक्षा क्षेत्र में हो रहे नवाचार एक ही मंच पर उपलब्ध हैं। एससीईआरटी के अधिकारियों के अनुसार हर शिक्षक अपने अनुभव और प्रयास को साझा कर शिक्षा में नया आयाम जोड़ सकता है। शिक्षण विधियां, मूल्यांकन, खेलकूद, पर्यावरण, स्वास्थ्य, समावेशी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, सामुदायिक सहभागिता और सूचना संचार प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयोगों को यहां साझा किया जा सकता है।एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक पवन सचान के अनुसार उद्गम पोर्टल शिक्षकों को अपने नवाचार साझा करने का अवसर देता है। इसमें नामांकन बढ़ाने, उपस्थिति सुधारने, कक्षा की समस्याओं को हल करने, खेलकूद, मूल्यांकन, पर्यावरण, स्वास्थ्य और आइसीटी आधारित शिक्षण से जुड़े प्रयास साझा किए जा सकते हैं। इन प्रयासों से परिषदीय विद्यालयों में न सिर्फ बच्चों की रुचि बढ़ी है, बल्कि नामांकन में भी इजाफा हुआ है। अब गांवों के बच्चे भी पढ़ाई को आनंददायक अनुभव मान रहे हैं।

» डिपाजिटरी उद्गम पोर्टल से अपने नवाचारों, प्रयोगों और सफल शैक्षणिक तरीकों को साझा कर रहे हैं शिक्षक

# खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता का रखे ख्याल, नहीं तो होगी कड़ी कार्रवाई

» रंगीन पदार्थ, बार-बार तले तेल और प्लास्टिक में गर्म खाद्य सामग्री पर रोक की दी चेतावनी

» मोबाइल लैब से किए गए सैंपल टेस्ट, सही और खराब खाद्य पदार्थों में कराई गई तुलना

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

**कानपुर देहात। जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को गजनेर कस्बे में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से व्यापक खाद्य सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार पांडेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेंद्र नाथ और व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता के नेतृत्व में अधिकारियों ने दुकानदारों और ग्राहकों को खाद्य स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।**

अधिकारियों ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि रंगीन पदार्थों, बार-बार तले हुए तेल, प्लास्टिक या अखबार में गर्म खाद्य पदार्थ रखने, तथा कृत्रिम फ्लेवर या रंगों के प्रयोग से बचें। उन्होंने कहा कि ऐसे खाद्य पदार्थ न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं बल्कि इन पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई भी हो सकती है। अभियान के दौरान सरकार की मोबाइल टेस्टिंग लैब भी मौके पर मौजूद रही,

जिसमें नमूनों का तत्काल परीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने दुकानदारों और ग्राहकों को सही और खराब खाद्य पदार्थों की पहचान का व्यावहारिक प्रदर्शन किया,

जिससे स्थानीय लोगों में खाद्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी। कार्यक्रम में व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष संतोष चौहान, महामंत्री दीपू परिहार, उपाध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला, संरक्षक राकेश सिंह चौहान, राजेश सचान, अशोक साहू, संदीप साहू, अभिषेक गुप्ता, आसिफ, शाहनवाज, इमरान, सुरेंद्र कुशवाहा, वरुण बाजपेई समेत बड़ी संख्या में व्यापारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

## आपात सेवा में तत्परता दिखाने वाले कर्मचारी किए गए सम्मानित

» बेहतरीन रिस्पांस टाइम और उत्कृष्ट सेवा के लिए लखनऊ में हुआ सम्मान समारोह

» देवीपुर सीएचसी में तैनात कर्मियों ने पेश की समर्पण और संवेदनशीलता की मिसाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

**कानपुर देहात। कहते हैं मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, और इस कहावत को चरितार्थ किया है 102 एंबुलेंस सेवा में तैनात ईएमटी आरती देवी और पायलट आनंद ने। दोनों कर्मियों को बेहतर रिस्पांस टाइम, तत्परता और मानवीय संवेदना के साथ मरीजों की मदद करने के लिए ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज की ओर से राज्यस्तरीय सम्मान प्रदान किया गया।**

लखनऊ मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और स्टेट हेड ने आरती देवी और आनंद को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अधिकारियों ने कहा कि ये दोनों कर्मचारी न केवल अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान हैं, बल्कि इन्होंने अपने कार्य के माध्यम से आपातकालीन सेवाओं की साख को भी ऊंचा किया है।

आरती देवी और आनंद वर्तमान में देवीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात हैं। वे जिले के ग्रामीण इलाकों से लेकर दूरस्थ गांवों तक मरीजों को शीघ्र अस्पताल पहुंचाने का जिम्मा निभा रहे हैं।

कई बार कठिन परिस्थितियों और रात के समय भी उन्होंने मरीजों की जान बचाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है।सम्मान प्राप्त करने के बाद दोनों ने कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए एक बड़ी प्रेरणा है और अब वे और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद तक समय पर एंबुलेंस पहुंचाना ही हमारी सबसे बड़ी सफलता है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में 102 सेवा के माध्यम से हर दिन सैकड़ों लोग लाभान्वित होते हैं, और ऐसे कर्मियों के प्रयासों से ही यह सेवा जनता के भरोसे पर खरी उतर रही है।

## एमएलसी अरुण पाठक ने की महिला आत्मरक्षा प्रदर्शन की सराहना

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अरुण पाठक ने गुरुवार को कानपुर देहात का दौरा किया। जहां उन्होंने मिशन शक्ति कार्यक्रम में भाग लिया, जनसमस्याएं सुनीं, और नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को कई निर्देश दिए। इससे पहले एमएलसी अरुण पाठक पुखरायां पहुंचे, जहाँ उन्होंने समाजसेवी सतीश मिश्रा के निधन पर उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। इसके बाद वे कैंप कार्यालय माती पहुंचे, जहां उन्होंने जनसामान्य की समस्याओं को सुना और निस्तारण के निर्देश दिए। बाद में वे पुलिस लाइन में आयोजित मिशन शक्ति कार्यक्रम में कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण केवल शासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। जब हर नागरिक महिलाओं को समान अवसर और सम्मान देगा, तभी सच्चे अर्थों में विकास संभव होगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय समेत जिला महामंत्री बबलू शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि बालजी शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख राहुल तिवारी मीनू, अभिनव पाठक, आशीष दीक्षित, प्रभात मिश्रा, विनय शुक्ला समेत अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# आंसू भरी आंखों के बीच सेना के जवान शैलेन्द्र सिंह पंचतत्व में विलीन

**» तिरंगे में लिपटे वीर सपूत को अंतिम विदाई देने उमड़ा जनसैलाब**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर देहात। अकबरपुर कस्बे के वार्ड नंबर 7 निवासी वीर सैनिक शैलेन्द्र सिंह (38 वर्ष) का हृदयाघात से निधन हो जाने पर पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शैलेन्द्र सिंह श्रीनगर में तैनात थे, जहां बीते दिन अचानक दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया था। शुक्रवार को उनको अंतिम विदाई दी गई।**

श्रीनगर से उनका पार्थिव शरीर जब पैतृक आवास पहुंचा तो गली वीर सपूत के लिए गलियां तिरंगे से सजा दी गई। अंतिम दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ की आंखें नम थीं। हर कोई अपने इस बहादुर बेटे को अंतिम विदाई देने के लिए व्यथित नजर आया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, नगर पंचायत अध्यक्ष दीपाली सिंह, पूर्व चेयरमैन गुड्डन सिंह, तथा सैनिक कल्याण बोर्ड के अधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। सभी ने शैलेन्द्र सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।तिरंगे में लिपटे शैलेन्द्र सिंह का अंतिम संस्कार सैन्य सम्मान के साथ किया गया। पूरे क्षेत्र में शहीद शैलेन्द्र अमर रहें के नारों से वातावरण गूंज उठा।इस दौरान भूतपूर्व सैनिकों का टीम भी दिवंगत सैनिक को विदाई देने पहुंची। असम बटालियन की टीम भी सलामी देने पहुंची इस मौके पर क्षेत्राधिकारी संजय वर्मा, एसडीएम नीलिमा यादव, तहसीलदार, थानाध्यक्ष चौकी इंचार्ज रामजी मिश्रा विपिन दीक्षित सरमन त्रिवेदी सूर्यकांत गोरे त्रिपाठी नरेश सिंह टीएन पांडे प्रभात बाजपेई अर्पित मिश्रा सतीश बाजपेयी गोल्डन द्विवेदी अशोक श्रीवास्तव कमल पाठक प्रदीप मिश्रा राम द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

## डीएम बोले, गौशालाओं की व्यवस्थाओं में न हो कोई लापरवाही, रोज रिपोर्ट चाहिए

**जिले की सभी गौशालाओं का नोडल अधिकारी करेंगे नियमित निरीक्षण**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में गौशालाओं की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देश पर गुरुवार को 81 गौशालाओं का एक साथ निरीक्षण कराया गया। निरीक्षण के लिए जनपद के विभिन्न विकास खंडों में 81 नोडल अधिकारी नामित किए गए थे। इन्हें गौशालाओं की व्यवस्था, स्वच्छता और पशुओं की स्थिति की विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए थे। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारियों ने प्रत्येक गौशाला में भूसा, हरा चारा, पानी, पशुओं की संख्या, ईयर टैगिंग, स्वास्थ्य स्थिति, जलभराव की दशा, चिकित्सा व्यवस्था और स्वच्छता की बारीकी से जांच की।सभी नोडल अधिकारियों ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। रिपोर्टों के परीक्षण के बाद डीएम कपिल सिंह ने कहा कि गौशाला संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन स्थानों पर खामियां मिली हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त किया जाए और सुधारात्मक कार्रवाई की रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। डीएम ने आगे कहा कि उप जिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र की गौशालाओं का नियमित निरीक्षण करें और व्यवस्थाओं की सतत समीक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी गौशालाओं में हरा चारा, पशु चिकित्सा, जल की उपलब्धता और साफ-सफाई की व्यवस्था हर समय दुरुस्त रखी जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल गौवंश की सुरक्षा भर नहीं, बल्कि गौशालाओं को आदर्श मॉडल केंद्रों के रूप में विकसित करना है, जहाँ पशुओं के लिए पोषण, देखभाल और चिकित्सा सुविधाएँ समुचित रूप से उपलब्ध हों।

## करवा चौथ के दिन पूजा मुहूर्त और चांद निकलने का समय

**करवा चौथ-- 10 अक्टूबर 2025 शुक्रवार**

| | |
|---|---|
| करवा चौथ व्रत का समय | 06:22 am - 08:08 pm |
| सरगी ग्रहण का समय | 3.22 am - 4.48 am |
| सूर्योदय | 6.22 am |
| करवा चौथ पूजा मुहूर्त | 05:57 pm - 07:12 pm |
| चांद निकलेगा | 08:08 pm |

# अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह पर छाए संशय के बादल!

## मुख्य अतिथि अभी तक तय नहीं, डिग्री वितरण से पहले विश्वविद्यालय प्रशासन में मचा हडकंप

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या।13 अक्टूबर को प्रस्तावित डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह से ठीक पहले बड़ा प्रशासनिक असमंजस सामने आया है। विश्वविद्यालय प्रशासन अब तक मुख्य अतिथि का नाम तय नहीं कर पाया है।सूत्रों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने तीन नाम प्रस्तावित किए थे, जिनमें से दो अतिथियों ने आने से इनकार कर दिया, जबकि तीसरे नाम पर शासन या हाईकमान की सहमति नहीं बन सकी।**

इसी बीच, डीलिट की मानद उपाधि के लिए भेजे गए एक नाम पर भी सवाल उठ खड़े हुए हैं। चर्चा में चल रहा नाम श्री राठौड़ बाबुभाई मुझीभाई बताया जा रहा है लेकिन गूगल या किसी आधिकारिक रिकॉर्ड पर इस नाम से संबंधित कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है।इससे विश्वविद्यालय प्रशासन की चयन प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। शैक्षिक जगत में यह चर्चा है कि जब तक मुख्य अतिथि और सम्मानित व्यक्तियों के नाम तय नहीं होते, आयोजन का स्वरूप अधूरा रहेगा। फिलहाल विश्वविद्यालय प्रशासन चुप्पी साधे हुए है जबकि समारोह की तारीख सिर पर है और तैयारियों पर अब भी अनिश्चितता का बादल मंडरा रहा है।

# अयोध्या के बृहस्पति कुंड से गायब हुआ सन 1902 में लगा शिलापट

## » डीएम और पीडब्ल्यूडी से आरटीआई के ज़रिए मांगा गया जवाब

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या के सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक सावंत ने बृहस्पति कुंड से 1902 में लगाए गए एडवर्ड अयोध्या तीर्थ विवेचनी सभा के शिलापट के गायब होने पर जिलाधिकारी अयोध्या और लोक निर्माण विभाग को अलग-अलग आरटीआई आवेदन भेजे हैं।

सावंत ने अपने आवेदन में पूछा है कि यदि यह ऐतिहासिक शिलापट अब वहां नहीं है, तो वह कहां गया, किसकी जिम्मेदारी तय की गई, और क्या इस पर कोई जांच या रिपोर्ट तैयार हुई है। सावंत के अनुसार यह पत्थर केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि अयोध्या की आत्मा का हिस्सा है। अब जवाबदेही तय होनी चाहिए कि हमारी धरोहरें किसके संरक्षण में हैं। यह पहल अयोध्या के सभी 148 तीर्थ स्थलों के संरक्षण की व्यापक जांच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

# बीकापुर के गांव में संदिग्ध हालात में मामा-भांजे सहित तीन लोगों की मौत, परिवार में कोहराम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या जिले की बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के कुढा कल्याणपुर चकडुहिया गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में मामा, भांजे सहित तीन लोगों की मौत हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद नफीस ने बताया कि गांव निवासी मोहम्मद तफसीर उर्फ छोटू के घर उनके जीजा अल्ताफ (22) पुत्र अब्बास निवासी गौहानी हैदरगंज अपने पत्नी व 7 माह के पुत्र अल्तमस के साथ बुधवार को आये थे।बताया कि बुधवार शाम भोजन करके सभी लोग तख्त पर सो गए। गुरुवार की सुबह करीब 4 बजे अचानक अल्ताफ व तफसीर की तबियत खराब हो गई जबकि अल्तमस की तबियत 2 दिन पहले से ही कुछ खराब चल रही थी। जानकारी मिलते ही परिजन अल्ताफ व तफसीर को जिला अस्पताल ले गए। जहां पर उपचार के दौरान तफसीर की मौत हो गई। जबकि अल्ताफ की तबियत बिगड़ती देख चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर रेफर कर दिया जहां पर इलाज के दौरान तफसीर की भी मौत हो गई।

वहीं, अल्तमस को परिजनों ने शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया था जहां पर उसकी भी मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर में अल्ताफ की मौत के बाद उन्हें पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया गया है। इधर तीनों लोगों की मौत की सूचना मिलते ही घर परिवार में कोहराम तथा क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आशंका जताई जा रही है कि किसी जहरीले जंतु के काटने अथवा फूड प्वाइजनिंग के चलते मौत हुई है।

# सुप्रीम कोर्ट में टीईटी को लेकर नई जंग

**» नई याचिका दायर कर प्राइवेट और अल्पसंख्यक स्कूलों में भी लागू हो शिक्षक पात्रता परीक्षा की उठी मांग**

**» बड़ी पीठ करेगी सुनवाई, शिक्षा का अधिकार और अल्पसंख्यक स्वायत्तता के बीच संतुलन पर टिकी निगाहें**

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक नई अर्जी ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अर्जी में यह मांग की गई है कि प्राइवेट और अल्पसंख्यक स्कूलों के शिक्षकों पर भी टीईटी की बाध्यता लागू की जाए, ताकि हर बच्चे को योग्य और प्रशिक्षित शिक्षक से शिक्षा प्राप्त हो सके।याचिकाकर्ता डॉ. खेम सिंह भाटी ने अदालत से गुहार लगाई है कि उन्हें इस मामले में पक्ष रखने की अनुमति दी जाए।**

उनका कहना है कि टीईटी केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि शिक्षा के अधिकार (ऋश्च्) का अहम हिस्सा है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करता है।

अर्जी में कहा गया है कि अल्पसंख्यक संस्थानों को टीईटी से छूट देना बच्चों के साथ शैक्षिक अन्याय है।

ऐसे में इन स्कूलों को आरटीई कानून से बाहर रखना संविधान की भावना के विपरीत है, क्योंकि यह बच्चों के समान अवसर के अधिकार को कमजोर करता है।सुप्रीम कोर्ट पहले ही यह साफ कर चुका है कि कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए टीईटी आवश्यक है।

हालांकि, पिछले फैसले में अल्पसंख्यक स्कूलों को अस्थायी राहत दी गई थी। अब यह मामला बड़ी पीठ को भेज दिया गया है। एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत सरकार के उस पुराने निर्णय में है, जिसमें पांच जजों की पीठ ने अल्पसंख्यक स्कूलों को आरटीई कानून से बाहर माना था। लेकिन हाल में दो जजों की पीठ ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि शिक्षा का अधिकार किसी धर्म या प्रबंधन की सीमाओं से ऊपर है। अब यह मामला मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष जाएगा, जो बड़ी पीठ का गठन करेंगे।

### टीईटी शिक्षा की गुणवत्ता का पैमाना

**अर्जी में कहा गया है कि टीईटी को शिक्षा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा माना जाना चाहिए, क्योंकि इसके माध्यम से यह तय होता है कि शिक्षक प्रशिक्षित, योग्य और सक्षम हैं या नहीं।जब सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के लिए टीईटी आवश्यक है, तो निजी और अल्पसंख्यक स्कूलों को इससे छूट देना समानता के सिद्धांत के विपरीत है,फ्र याचिकाकर्ता का कहना है।**

# भयानक विस्फोट में मकान ढहा, तीन मासूमो के साथ पांच की जिंदगी खत्म

## जोरदार धमाके से हिली अयोध्या

» रामनगरी से 25 किलोमीटर दूर पूरा कलंदर में पटाखा विस्फोट या गैस ब्लास्ट?

» पाँच की दर्दनाक मौत, एक लापता - चार दिन में दूसरा धमाका!

» सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना पर जताया शोक, दिया कड़ी कार्रवाई का निर्देश

» सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दुख जताते हुए जांच की मांग उठाई

अयोध्या में ब्लास्ट की वजह से 5 लोगों की मृत्यु का समाचार बेहद दुखद है। घायलों के समुचित उपचार की तत्काल व्यवस्था की जाए और मामले की जाँच हो।
-अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष सपा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।गुरुवार की शाम अयोध्या जिले के पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के पगलाधारी गांव में एक ऐसा धमाका हुआ कि पूरे इलाके में दहशत फैल गई। धमाके की आवाज़ एक किलोमीटर दूर तक गूंज गई। विस्फोट की वजह से 200 मीटर तक मकान का मलबा बिखर गया। मलबे के नीचे दबकर एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। जिसमें पिता, दो बेटे, एक बेटी और साली शामिल है। पत्नी अब भी लापता है।

घटना इतनी भीषण थी कि मौके पर पहुंचे ग्रामीणों के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। पुलिस और रेस्क्यू टीम ने जेसीबी लगाकर मलबा हटाया, मगर तब तक सब खत्म हो चुका था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर शोक जताया है और अयोध्या प्रशासन को कड़ी निगरानी और कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बता दे कि मरने वालों की पहचान रामकुमार कसौंधन उर्फ़ पप्पू, उनके बेटे लव (8), यश, बेटी इशी, और साली वंदना के रूप में हुई है ।पत्नी का अब तक कोई सुराग नहीं। घटना में घायल एक युवक रामसजीवन को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।स्थानीय सूत्रों ने स्वराज इंडिया को बताया कि पप्पू अवैध रूप से पटाखे बनाने का धंधा करता था। एक साल पहले भी इसी गांव में विस्फोट हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी। गांव के लोग अब दहशत में हैं–हर आवाज़ अब उन्हें धमाके की याद दिला रही है।

शाम 7-00 बजे के करीब धमाके के साथ ही पूरा गांव थर्रा उठा। आसमान में धुआं और मलबे के टुकड़े उड़ते दिखे ।गांव वाले दौड़े तो सामने मौत का मंजर था– बिखरे अंग, जलती लकडयिां और धुएं में लिपटा एक ढह चुका घर। एम्बुलेंस चालक अजय कुमार ने बताया,हमें 7-28 बजे कॉल मिली थी। जब लोगों को निकाला गया तब उनकी सांसें चल रहीं थीं। लेकिन अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने सभी को मृत घोषित कर दिया। धमाके की सूचना मिलते ही डीएम निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी और सीओ अयोध्या मौके पर पहुंचे ।पांच थानों की पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया। फोरेंसिक टीम ने रात में ही जांच शुरू कर दी।

### चार दिनों में दूसरा विस्फोट

अयोध्या में यह चार दिनों में दूसरी विस्फोटक त्रासदी है। 5 अक्टूबर को बीकापुर में हुए धमाके में एक युवक की मौत और दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। लगातार दो हादसों ने जिला प्रशासन और खुफिया एजेंसियों की नींद उड़ा दी है।

### मरने वालों की संख्या हुई छह

अयोध्या। पगलाभारी गांव में ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या अब छह हो गई है। छठवां शव जेसीबी से मलवा हटाने के दौरान मिला। घर के मुखिया मृतक रामकुमार गुप्ता की साली लापता थी। शुक्रवार को मलवा हटाने के दौरान उसका शव मिल गया।

### स्वराज इंडिया के सवाल

›क्या यह गैस सिलेंडर ब्लास्ट था या अवैध पटाखा निर्माण का विस्फोट?
›पिछले साल की तरह प्रशासन की नजऱ से कैसे बच गया यह घर?
›क्या अयोध्या में अवैध पटाखा निर्माण का नेटवर्क फिर सक्रिय हो गया है? इन सवालों ने प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

गांव के बुजुर्गों ने बताया कि पिछले साल भी यही मंजर था फिर जांच हुई, रिपोर्ट आई, और सब खामोश हो गया। इस बार भी वही सिलसिला न दोहराया जाए यह मांग अब गांव के हर घर से उठ रही है।

### स्वराज इंडिया की पड़ताल जारी है...

›क्या अयोध्या की पवित्र धरती के नीचे बारूद का धंधा पल रहा है?
›कौन हैं वो लोग जो हर जांच के बाद फिर वही मौत का कारोबार शुरू कर देते है

हमें सवा सात बजे सूचना मिली थी। रेस्क्यू अभियान पूरा कर लिया गया है।पाँच शव बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में किचन में विस्फोट की संभावना लग रही है। बर्तन और गैस सिलेंडर क्षतिग्रस्त मिले हैं, परंतु फोरेंसिक जांच के बाद ही अंतिम कारण स्पष्ट होगा।
-डीएम निखिल टीकाराम फुंडे

हादसे में मरने वाला पप्पू पिछले एक-दो साल से गांव के बाहर बने मकान में परिवार संग रह रहा था। वह अवैध पटाखा निर्माण में लिप्त था। घटनास्थल से कुछ संदिग्ध अवशेष मिले हैं। जांच के लिए विस्फोटक विशेषज्ञों को बुलाया गया है। फिलहाल इलाके को सील कर दिया गया है।
-एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर

# अयोध्या की आत्मा पर भारी पड़ रहा विकास का बोझ

» -रामनगरी के पूज्य आचार्य मिथिलेशनन्दिनी शरण की पीड़ा ने खोले अयोध्या के रामराज्य' की सच्चाइयाँ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

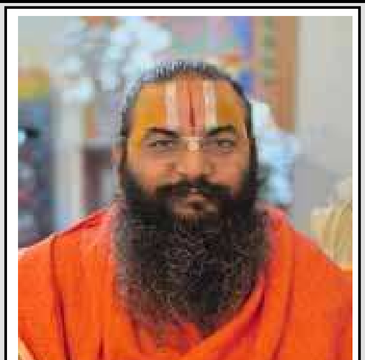

अयोध्या। यह वही अयोध्या है, जहाँ श्रीरामराज्य के आदर्श की कल्पना की जाती है पर आज इस नगरी का तेज़ विकास उसके ही निवासियों की आत्मा पर भारी पड़ता दिख रहा है। आचार्य मिथिलेशनन्दिनी शरण की फेसबुक टिप्पणी ने अयोध्या के मौन आक्रोश को शब्द दे दिए हैं। उन्होंने लिखा अयोध्या संवर रही है, पर इस चमक से आम अयोध्यावासी की आँखों की रोशनी छिनती जा रही है।

### बृहस्पति कुंड का दर्द और बृहस्पति का अभाव

उन्होंने बृहस्पति कुंड के जीर्णोद्धार को एक प्रतीक के रूप में रखा। भव्य उद्घाटन, बुद्ध मूर्तियाँ और चमकदार संगमरमर के बीच देवगुरु बृहस्पति ही गायब हैं। शरण लिखते हैं यह एक बानगी है, अयोध्या के कई तीर्थों का यही हाल है। धार्मिकता के नाम पर आडंबर है, आस्था के नाम पर सजावट। आचार्य का सवाल है क्या रामजन्मभूमि आंदोलन का फल यही होना था कि अयोध्या राजनीति का प्रयोगशाला बन जाए? उनके शब्दों में अयोध्या को रामराज्य का प्रतीक बनना था, पर सत्ता ने इसे अपने उपनिवेश में बदल दिया। वे लिखते हैं, तीर्थक्षेत्र की चिंताएँ अब अपने लक्ष्य तक सीमित हैं, सन्त मौन हैं, नागरिक विवश हैं, और अयोध्या की आत्मवत्ता धीरे–धीरे छीज रही है।

सरकारी परियोजनाओं, अरबों के बजट और चमकदार सडक़ों के बीच अयोध्या की सादगी खोती जा रही है ।आचार्य पूछते हैं बजट देकर, सडक़ें बनाकर, रोजगार–बाजार विकसित करके अयोध्या से अयोध्या को छीन लेना सांस्कृतिक कैसे हो सकता है?

हर सप्ताह वीआईपी मूवमेंट से जाम होती सडक़ें, ठेकेदारों की मनमानी, बैटरी रिक्शों का असुरक्षित रेला यही अब 'नव्य अयोध्या' का यथार्थ बन गया है।

### मौन साधे संत और थक चुके नागरिक

तीन दशकों से संघर्षरत अयोध्या के महंतों और संतों को लेकर आचार्य की टिप्पणी कड़ी है। वे कहते हैं मैंने अयोध्या के पूज्य महंतों को इतना लाचार और आत्मविश्वासहीन पहले कभी नहीं देखा।

जनता की पीड़ा यह है कि रामजन्मभूमि मिल गई, पर राम की नगरी खो गई। शरण की टिप्पणी सिर्फ़ एक शिकायत नहीं, बल्कि यह उस अयोध्या की अंतरात्मा की पुकार है, जो विकास के शोर में दब गई है। राजनीतिक उद्यमों ने अयोध्या का स्वर छीन लिया है, अब चौक–चौराहे ही नहीं, हमारा इतिहास और भूगोल भी हमारा नहीं रहा ।आचार्य ने तुलसीदास जी के दोहे का हवाला देकर कहा– बनै तो रघुबर से बनै, कै बिगरै भरपूर। वे लिखते हैं अब यही दोहा उलटा हो गया है, हमारी अयोध्या बिगड़ रही है, और इसे बचाने वाला कोई नहीं।

स्वराज इंडिया की दृष्टि में अयोध्या का यह स्वर विकास–विरोध नहीं, बल्कि 'संवेदनशील विकास' की माँग है।

यह प्रश्न है क्या चमकदार निर्माणों के बीच अयोध्या की आत्मा बची रहेगी? राजनीति, ठेकेदारी और पर्यटन की दौड़ में कहीं वह राम की अयोध्या खो तो नहीं रही?

# यूपी में 96 लाख एमएसएमई यूनिट फिर से पुनर्जीवित हुईं

## दीपावली के अवसर पर जो भी खरीदें, स्वदेशी खरीदें: सीएम योगी

### यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**गोरखपुर। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज शुक्रवार को चंपा देवी पार्क में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला के शुभारंभ के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित किए। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि, हर सेक्टर में हमें आगे बढ़ना होगा। दीपावली के अवसर पर हर हिंदू परिवार लक्ष्मी गणेश जी की प्रतिमा को घर में रखता है। मूर्ति को चीन बनाता था जो देवी देवता पर विश्वास नहीं करता। वो मार्केट को भुना करके पैसे को हमारे खिलाफ इस्तेमाल करता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का पैसा भारत के अंदर रहेगा तभी आत्मनिर्भर बनेगा।**

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दीपावली के पहले जब बाजार में चहल पहल है। पर्व से पहले हर भारतीय के मन में यह भाव रहता है कि वह कुछ न कुछ खरीदारी करेगा। इसी से जोड़ते हुए पूरे प्रदेश में ट्रेड फेयर लगाने का निर्णय लिया गया। 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन हुआ था। इसमें यूपी में बने उत्पादों को एक मंच मिला। 500 से अधिक विदेशी खरीदार आए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यूपी बीमारी प्रदेश की जगह उद्यम प्रदेश बन रहा है। उद्यम के साथ तकनीक भी आएगी। उसके लिए स्थानीय स्तर पर सर्विस सेंटर भी होंगे। पिछले 8.5 साल में बीमारू राज्य से बदलकर ग्रोथ इंजन बना है। कानून व्यवस्था के साथ ही आधुनिकता में भी प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। 2017 के पहले प्रदेश में केवल 2 एयरपोर्ट क्रियाशील थे। वाराणसी और लखनऊ। आज यूपी में 16 एयरपोर्ट कार्य कर रहे हैं। इसमें चार इंटरनेशनल है। देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर में बन रहा है। मेट्रो आज प्रदेश के छह शहरों में चल रही है। अब उत्तर प्रदेश में ही इलेक्ट्रिक बस बनेगी। जल्द ही यह यूनिट शुरू होने वाली है। पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करने में सफलता मिलेगी। देश के अंदर सबसे अधिक जीआई टैग उत्तर प्रदेश को मिले हैं। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक आइटम बनाने का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। मोबाइल फोन बनाने में यूपी सबसे आगे है। देश के अंदर 55 फीसदी मोबाइल फोन का उत्पादन यूपी कर रहा है।

### स्वदेशी पर फोकस

प्रदेशवासियों से अपील करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जो भी खरीदें स्वदेशी खरीदें। आने वाले समय में इससे भी बड़ा प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाएंगे। गाय के गोबर से मां लक्ष्मी का आगमन होता है। गोरखपुर की ही एक बेटी मसाले बना रही है। ऐसा न हो कि रविकिशन स्वदेशी की बात करे और घड़ी विदेशी पहनें। हम जो भी गिफ्ट दे वो स्वदेशी दें।

**उत्तर प्रदेश के कारीगर और हस्तशिल्पियों द्वारा बनाया जाने वाला प्रोडक्ट अब देश और दुनिया में कहीं भी बिक सकता है...**

### टेक्सटाइल सेक्टर में आ रही नई नीति

लघु उद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि पूरे प्रदेश में यूपी ट्रेड शो का आयोजन किया जा रहा है। 10 से 19 अक्टूबर तक यह स्वदेशी मेला आयोजित होगा। हस्त शिल्पी कारीगरों को पहले बड़ा बाजार नहीं मिलता था। इनके लिए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन हुआ। वहां पांच लाख से अधिक का फुटफॉल हुआ। सीएम की मंशा थी कि उत्पादों को प्रमोट करने के लिए जनपद स्तर पर आयोजन होना चाहिए। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना से हस्त शिल्पियों को पूरे प्रदेश में पहचान मिली। युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं रोजगार देने वाला बनाना है।

### 100 एकड़ में बनेगा वल्लभ भाई पटेल औद्योगिक जोन

टेक्सटाइल सेक्टर में नई नीति लेकर आ रहे हैं, जिससे प्रदेश के एक लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। जीएसटी में छूट से बाजारों में रौनक है। प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रमोट करते हैं। दिवाली की खरीदारी में लोकल उत्पादों को प्राथमिकता दें। पूरे प्रदेश में 100 एकड़ में सरदार वल्लभ भाई पटेल औद्योगिक जोन बनाया जाएगा। छोटे उद्यमियों को सस्ती जमीन मिले इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव पारित किया गया है। 19 अक्टूबर को अयोध्या में इस मेले का समापन प्रस्तावित है।

---

### आईपीएस वाई पूरन कुमार की खुदकुशी के मामले में बड़ी कार्रवाई

# डीजीपी-एसपी सहित 14 पुलिस अफसरों के खिलाफ एफआईआर

» चंडीगढ़, एजेंसी।

**चंडीगढ़। हरियाणा के डीजीपी और अन्य पुलिस अफसरों के खिलाफ चंडीगढ़ के सेक्टर 11 थाने में दर्ज एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और एससी/एसटी एक्ट की धाराएं 3(5) और 3(1)(आर) लगाई गई हैं।**

पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार ने एफआईआर दर्ज कराने के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर 11 थाने में तहरीर दी थी। साथ ही उन्होंने सीएम से दोषी अफसरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग भी की थी।

आईएएस अमनीत पी. कुमार ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज न होने तक पोस्टमार्टम नहीं कराने की चेतावनी दी थी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस मामले में एडवोकेट जनरल और अपने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर डीजीपी कपूर से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर, एडीजीपी अमिताभ ढिल्लों, एडीजीपी (1997 बैच) संजय कुमार, आईजीपी (2007 बैच) पंकज नैन, आईपीएस (1994 बैच) कला रामचंद्रन, आईपीएस (1995 बैच) संदीप खिरवार, आईपीएस (1999 बैच) सिबाश कविराज, पूर्व डीजीपी (1988 बैच) मनोज यादव, पूर्व डीजीपी (1988 बैच) पी.के. अग्रवाल, आईएएस (1988 बैच) टी.वी.एस.एन. प्रसाद, एसपी, रोहतक नरेंद्र बिजारणिया, पूर्व एसीएस राजीव अरोड़ा, आईजी, मधुवन कुलविंदर सिंह, एडीजीपी, करनाल रेंज माटा रवि किरन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।

आईपीएस वाई पूरन कुमार ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ सेक्टर-11 स्थित अपने घर में खुद को गोली मार ली थी। उन्होंने मरने से पहले 8 पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें कई वरिष्ठ आईपीएस और आईएएस अधिकारियों के नाम लिखे थे। सुसाइड नोट में उन्होंने लंबे समय से जातीय भेदभाव और मानसिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया था।

### मोबाइल से खुल सकते हैं राज

पुलिस ने मृतक के दो मोबाइल फोन कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने आत्महत्या से पहले किनसे बात की थी। मृतक के दोनों मोबाइल लॉक हैं। पुलिस यह भी देख रही है कि आत्महत्या से पहले कहीं उन्होंने किसी को सुसाइड नोट तो नहीं भेजे। या फिर जिन अधिकारियों पर आरोप लगाए हैं, उन्हें तो कोई मैसेज या कॉल तो नहीं की। इन सभी बिंदुओं पर चंडीगढ़ पुलिस जांच कर रही है।

---

# फौजी के भाई से टोल पर मारपीट, घंटों चला बवाल

## टोल मामला: भाई की मौत, दूसरा गंभीर घायल

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**बिजनौर। ड्यूटी पर वापस कश्मीर जा रहे सेना के जवान के साथ मेरठ के टोल प्लाजा पर मारपीट की घटना को अभी ज्यादा दिन नहीं बीते हैं। टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने उसे डंडों से बुरी तरह पीटा था। जवान को बचाने के लिए आए दो भाइयों को भी हमलावरों ने पीटकर घायल कर दिया था। इस मामले ने खूब तूल पकड़ा था। अब करीब 80 किलोमीटर दूर बिजनौर से इसी तरह की एक और घटना सामने आई है। छुट्टी पर गांव आया एक फौजी अपने दो भाइयों के साथ ढाबे पर खाने पहुंचा। खाने को लेकर ढाबा संचालक से विवाद हो गया। दोनों तरफ से जमकर मारपीट हुई। फौजी सिर में लाठी लगने की वजह से गंभीर रूप से घायल हो गया। एक भाई की मौत हो गई, जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है।**

गुस्साए घरवालों ने ग्रामीणों और किसान संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बिजनौर-मुरादाबाद स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। हाइवे पर शव रखने की वजह से कई घंटे तक ट्रैफिक जाम लगा रहा। कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। अफसरों के काफी समझाने के बाद घरवाले युवक के अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। उनका आरोप है कि पुलिस ने उनकी नहीं सुनी। घायल होने के बाद पुलिस ने उनके पक्ष के ही युवक को थाने में बैठा लिया।

ये पूरा मामला हल्दौर थाना क्षेत्र का है। गांव वाजिदपुर निवासी 24 वर्षीय अभिषेक चौधरी बुधवार रात अपने चचेरे भाइयों हिमांशु और शिवम के साथ रात साढ़े नौ बजे खतापुर के पास ढाबे पर खाना खाने गया था। हिमांशु सेना में तैनात है और छुट्टियों में गांव आया हुआ था। खाने के दौरान तीनों भाइयों का ढाबा संचालक विक्की कुमार से विवाद हो गया। देखते ही देखते मारपीट होने लगी। इसी बीच यूपी-112 की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। आरोप है कि पुलिस अभिषेक, हिमांशु और शिवम को गाड़ी में बैठाकर ले जाने लगी। इसी बीच ढाबा संचालक पक्ष के लोगों ने पीछे से बल्ली और डंडे से हमला कर दिया।

अभिषेक और फौजी हिमांशु सिर में बल्ली-डंडा लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। शिवम को भी चोट आई थी। सूचना मिलने पर पहुंचे स्वजन दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल ले गए। उधर, पुलिस ने शिवम और ढाबा संचालक को पकड़कर थाने ले गई। अभिषेक चौधरी को मेडिकल कालेज अस्पताल हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मेरठ ले जाते समय आधी रात को उसकी रास्ते में मौत हो गई। आरोप है कि पुलिस ने रात में ढाबा संचालक को छोड़ दिया, लेकिन शिवम को थाने में बैठाया रखा।